SHRI GURU RAM RAI UNIVESITY

[Estd. By Govt. of Uttarakhand, vide Shri Guru Ram Rai University Act No. 03 of 2017 & recognized by UGC u/s (2f) of UGC Act 1956]

PATEL NAGAR, DEHRADUN-248001, UTTARAKHAND, INDIA

SYLLABUS
(2017)

B.A. - Hindi

Core Courses:

EXAM STRUCTURE HINDI –

I- SEMESTER

Code	Title of Course/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BHNC101(Core)	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	6	30	70
BHNL101	हिन्दी भाषा और साहित्य **अथवा** हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास	6	30	70
AECC101	हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण **अथवा** हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण	4	30	70
Total		**16**	**90**	**210**

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास **BHNC101**

समय अवधि–3 घण्टे **पूर्णांक–70**

नोट– यह प्रश्न प्रत्र चार इकाईयों में बॉटा गया है। 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, 4 लघु उत्तरीय प्रश्न, 10 अति लघुउत्तरीय प्रश्न, सभी इकाईयों में से निर्धारित किया जाएगा। अभ्यर्थियों के लिए सभी इकाईयां (खण्ड) अनिवार्य है।

इकाई–1
आदिकाल

- ❖ हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय
- ❖ आदिकाल : काल विभाजन एवं नामकरण
- ❖ आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तिया

इकाई–2
भक्तिकाल एवं रीतिकाल

- ❖ भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास
- ❖ भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- ❖ रीतिकाल : नामकरण
- ❖ रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई–3
आधुनिक हिन्दी काव्य

- ❖ आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियॉ

इकाई–4
हिन्दी गद्य

- ❖ उपन्यास, कहानी, नाटक
- ❖ निबन्ध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप

सन्दर्भ ग्रन्थः–

- ❖ हिंदी भाषा–धीरेंद्र वर्मा
- ❖ हिंदीभाषा की संरचना–भोलानाथ तिवारी
- ❖ हिंदी साहित्य का इतिहास–रामचंद्र शुक्ल
- ❖ हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ. नगेंद्र
- ❖ हिंदी साहित्य की भूमिका–हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी भाषा और साहित्य **BHNC101**

अथवा

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास

समय अवधि–3 घण्टे **पूर्णांक–70**

नोट– यह प्रश्न प्रत्र चार इकाईयों में बॉटा गया है। 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, 4 लघु उत्तरीय प्रश्न, 10 अति लघुउत्तरीय प्रश्न, सभी इकाईयों में से निर्धारित किया जाएगा। अभ्यर्थियों के लिए सभी इकाईयां (खण्ड) अनिवार्य है।

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं तक हिन्दी पढी है।)

इकाई–1

हिन्दी भाषा और साहित्य

- ❖ आधुनिक भारतीय भाषाओं का परिचय
- ❖ हिन्दी का उद्भव : सामान्य परिचय
- ❖ हिन्दी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल और मध्यकाल)
- ❖ हिन्दी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

भक्तिकालीन हिन्दी कविता

- ❖ कबीर–ग्रन्थावली : डॉ श्याम सुन्दर दास (संपा0),
  गुरू देवकौ अंग–2,4,8, पद संख्या–15

अथवा 4,8,20,27,

- ❖ मीरॉबाई की पदावली,संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, पद संख्या – 1,4,5,6
  अथवा पद संख्या – 2,169

इकाई–3

रीतिकालीन हिन्दी कविता

- ❖ मतिराम–ग्रन्थावली,कृष्ण बिहारी मिश्र (संपा.) पद संख्या–5,9

अथवा रसराज, पद संख्या– 6,ललित ललाम,पद संख्या–44

- ❖ देव–देव ग्रन्थावली,लक्ष्मीधरमालवीय (संपा.) प्रथम खंड पद संख्या–5,57

इकाई–4

आधुनिक हिन्दी कविता

- ❖ सुभद्रा कुमारी चौहान : बालिका का परिचय
- ❖ दिनकर : मेरे नगपति मेरे विशाल

सन्दर्भ ग्रन्थः–

- हिन्दी भाषा धीरेन्द्र वर्मा (संपा.) ।
- कबीर–डॉ विजेन्द्र स्नातक।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास–रामचन्द्र शुक्ल।

अथवा

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास
(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं तक हिन्दी पढी है।)

इकाई–1

- ❖ हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास
- ❖ हिन्दी गद्य की अनेक विधाओं का परिचय

इकाई–2

- ❖ प्रेमचन्द्र–ईदगाह
- ❖ यशपाल–परदा
- ❖ भीष्मसाहनी–चीफ की दावत

इकाई–3

- ❖ हरिशंकर परसाई–सदाचार का ताबीज
- ❖ भारतेन्दु–इंग्लैण्ड और भारतवर्ष
- ❖ बाल मुकुन्द गुप्त–श्रीमान् का स्वागत

इकाई–4

- ❖ भारतेन्दु–अन्धेर नगरी
- ❖ महादेवी वर्मा–सोना अथवा बिबिया

सन्दर्भ ग्रन्थः–

- हिन्दी का गद्य साहित्य–रामचन्द्र तिवारी
- निबन्धों की दुनिया–विजय देवनारायण साही, निर्मलाजैन / हरिमोहन शर्मा
- महादेवी का गद्य साहित्य–डॉमक्खनलाल
- प्रेमचन्द्र और उनका युग–रामविलास शर्मा
- कहानी : नईकहानी–नामवर सिंह
- निबन्धों की दुनिया–शिवपूजन सहाय,निर्मला जैन / अनिल राय

हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण **AECC101**

अथवा

हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

समय अवधि–3 घण्टे **पूर्णांक–70**

नोट– यह प्रश्न प्रत्र चार इकाईयों में बॉटा गया है। 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, 4 लघु उत्तरीय प्रश्न, 10 अति लघुउत्तरीय प्रश्न, सभी इकाईयों में से निर्धारित किया जाएगा। अभ्यर्थियों के लिए सभी इकाईयां (खण्ड) अनिवार्य है।

इकाई–1
भाषा और व्याकरण

- ❖ भाषा की परिभाषा और विशेषताऐं
- ❖ व्याकरण की परिभाषा,महत्व,व्याकरण और भाषा का अन्तः सम्बन्ध
- ❖ ध्वनि वर्ण और मात्राऍ

इकाई–2
शब्द परिचय

- ❖ शब्दों के भेद–तत्सम,तत्भव,देशज,विदेशी (स्रोत के आधार पर)
- ❖ शब्दों के व्याकरणिय कोटियॉ (संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया)
- ❖ शब्दगत अशुद्धियॉ
- ❖ शब्द निमार्ण–प्रत्यय,उपसर्ग

इकाई–3
व्याकरण व्यवहार

- ❖ लिंग,वचन,कारक
- ❖ सन्धि और समास
- ❖ मुहावरे एवं लोकोक्तियॉ
- ❖ अपठित गद्यांश

इकाई–4
वाक्य परिचय

- ❖ वाक्य के अंग–उद्देश्य और विधेय
- ❖ वाक्य के भेद
- ❖ वाक्यगत अशुद्धियां
- ❖ विराम चिन्ह्

सन्दर्भ ग्रन्थः–

- हिन्दी व्याकरण–कामता प्रसाद गुण।
- हिन्दी भाषा की संरचना–भोलानाथ तिवारी।
- हिन्दी व्याकरण–एन0 सी0 ई0 आर0 टी0।
- हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास–उदयनारायण तिवारी।

अथवा
हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

इकाई–1

भाषिक संम्प्रेषण का परिचय

- ❖ संम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व
- ❖ संम्प्रेषण की प्रक्रिया
- ❖ संम्प्रेषण की चुनौतियां

इकाई–2

संम्प्रेषण के प्रकार

- ❖ मौखिक और लिखित
- ❖ सामाजिक और व्यावसायिक
- ❖ संम्प्रेषण बाधाएँ

इकाई–3

संम्प्रेषण के माध्यम

- ❖ एकालाप
- ❖ संवाद
- ❖ सामुहिक चर्चा
- ❖ प्रभावि संम्प्रेषण

इकाई–4

पढना और समझना

- ❖ गहन अध्ययन
- ❖ अध्याहार
- ❖ सार और अन्वय
- ❖ विश्लेषण और व्याख्या
- ❖ अनुवाद

सन्दर्भ ग्रन्थः–

- हिन्दी का सामाजिक संदर्भ–रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव।
- संम्प्रेषण–परकव्याकरणः सिद्धान्त और स्वरूप–सुरेश कुमार।
- भाषाई अस्मिता और हिन्दी–रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव।
- भारतीय भाषा चिन्तन की पीठिका–विद्यानिवास मिश्र।
- हिन्दी भाषा विज्ञान–रामदेव त्रिपाठी।

B.A. - Hindi

Core Courses:

EXAM STRUCTURE HINDI –

II- SEMESTER

Code	Title of Course/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BHNC201(Core)	मध्यकालीन हिन्दी कविता	6	30	70
BHNL202	हिन्दी भाषा और साहित्य **अथवा** हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास	6	30	70
AECC201	पर्यावरण विज्ञान	4	30	70
Total		**16**	**90**	**210**

मध्यकालीन हिन्दी कविता **BHNC201**
समय अवधि–3 घण्टे **पूर्णांक–70**

नोट– यह प्रश्न प्रत्र चार इकाईयों में बॉटा गया है। 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, 4 लघु उत्तरीय प्रश्न, 10 अति लघुउत्तरीय प्रश्न, सभी इकाईयों में से निर्धारित किया जाएगा। अभ्यर्थियों के लिए सभी इकाईयां (खण्ड) अनिवार्य है।

इकाई– 1

- **कबीर**–ग्रन्थावली (संपादक श्याम सुंदरदास)
  - गुरूदेवको अंग – पद संख्या 6,12, 20

अथवा

सुमिरण कौ अंग

पद संख्या
07 –पंच संगी पिउ पिउ करै.....।
15 –कबीर सुता क्या करै.....।
27 –लम्बा मारग दूरि घर.....।

2.विरह का अंग

पद संख्या
03 –चकवी बिछुरी रैणि की.....।
06 –बहुत दिनन की जोनती.....।
12 – यहु तन जारै मसि करौं.....।

3.**परचा का अंग**– पद संख्या 4, 8, 14

अथवा

काल कौ अंग

पद संख्या
04 –सब जन सूता नींद भरि.....।
14 –पानी केरा बुद बुदा.....।
20 –कबीर तंत्र न बजाई.....।

- **जायसी**–पदमावत–वासुदेव शरण अग्रवाल (संपा0)

बनिजारा खण्ड सम्पूर्ण

इकाई–2

- **सूरदास**–भ्रमरगीत, रामचन्द्र शुक्ल (संपा0)

पद संख्या 70, 153

अथवा

पद संख्या 57, 64, 400

- **तुलसीदास**–विनय पत्रिका (वियोगी हरि) (संपा0)

पद संख्या 17,149

अथवा

कवितावली (सम्पादक) चन्द्रशेखर शास्त्री
पद संख्या 96 –किसबी किसान कुल बनिक.....।
97 – खेती न किसान को.....।
106 – धूत कहौ, अवधूत कहौ.....।

इकाई–3

- **मीराबाई**–मीरा की पदावली, परशुराम चतुर्वेदी (संपा0)
  पद संख्या 53, 120

अथवा

122 –भीजे म्हॉरो दावन चोर.....।
175 –होरी खेलत है गिरधारी.....।

- **बिहारी**–बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथ रत्नाकर (संपा0)
  पद संख्या 78,188

अथवा

94 –तंत्री नाद, कवित्त रस .....।
677 –चिरजीवौ जोरी जुरै.....।

इकाई–4

- भूषण–

1. इंद्राजिमि जम्भ पर.....
2. साजि चतरंग सेन.....

- **घनानन्द**– घनानन्दकवित्त (सम्पा0) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र भाग–1
  पद संख्या 3, 43

अथवा

घनानंद ग्रन्थावली, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (संपा0), सुजानहित
पद संख्या
41 –रावरे रूप की रीति अनुप .....।
259 – ऐरें वीर पौन!

सन्दर्भ ग्रंन्थ :–

- 1–कबीर–हजारी प्रसाद द्विवेदी
- 2–सूरदास–हरिवंश लाल शर्मा
- 3–सूरदास–रामचन्द्र शुक्ल
- 4–तुलसी काव्य मिमांसा–उदयभानु सिंह
- 5–गोश्वामीतुलसीदासरामचन्द्र शुक्ल
- 6– घनानन्द और काव्यधारा–मनोहर लाल गौड़
- 7–मीरा एक पुर्नमूल्यांकन–अजय तिवारी

हिन्दी भाषा और साहित्य **BHNL202**

अथवा

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास

समय अवधि–3 घण्टे **पूर्णांक–70**

नोट– यह प्रश्न प्रत्र चार इकाईयों में बॉटा गया है। 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, 4 लघु उत्तरीय प्रश्न, 10 अति लघुउत्तरीय प्रश्न, सभी इकाईयों में से निर्धारित किया जाएगा। अभ्यर्थियों के लिए सभी इकाईयां (खण्ड) अनिवार्य है।

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं तक हिन्दी पढी है।)

इकाई–1
हिन्दी भाषा और साहित्य

- ❖ आधुनिक भारतीय भाषाओं का परिचय
- ❖ हिन्दी का उद्भव : सामान्य परिचय
- ❖ हिन्दी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल और मध्यकाल)
- ❖ हिन्दी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2
भक्ति कालीन हिन्दी कविता

- ❖ कबीर–ग्रन्थावली : डॉ श्यामसुन्दरदास (संपा0),
  गुरू देवकौ अंग–2,4,8,पद संख्या–15

अथवा 4,8,20,27,

- ❖ मीरॉबाई की पदावली,संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, पद संख्या – 1,4,5,6
  अथवा पद संख्या – 2,169

इकाई–3
रीतिकालीन हिन्दी कविता

- ❖ मतिराम–ग्रन्थावली,कृष्णबिहारी मिश्र (संपा.) पद संख्या–5,9

अथवा रसराज, पद संख्या– 6,ललित ललाम,पद संख्या–44

- ❖ देव–देव ग्रन्थावली,लक्ष्मीधर मालवीय (संपा.) प्रथम खंड पद संख्या–5,57

इकाई–4
आधुनिक हिन्दी कविता

- ❖ सुभद्रा कुमारी चौहान : बालिका का परिचय
- ❖ दिनकर : मेरे नगपति मेरे विशाल

सन्दर्भ ग्रन्थः–

- हिन्दी भाषा धीरेन्द्र वर्मा (संपा.) ।
- कबीर–डॉ विजेन्द्र स्नातक।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास–रामचन्द्र शुक्ल।

अथवा

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास
(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं तक हिन्दी पढी है।)

इकाई–1

- ❖ हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास
- ❖ हिन्दी गद्य की अनेक विधाओं का परिचय

इकाई–2

- ❖ प्रेमचन्द्र–ईदगाह
- ❖ यशपाल–परदा
- ❖ भीष्म साहनी–चीफ की दावत

इकाई–3

- ❖ हरिशंकर परसाई–सदाचार का ताबीज
- ❖ भारतेन्दु–इंग्लैण्ड और भारतवर्ष
- ❖ बालमुकुन्द गुप्त–श्रीमान् का स्वागत

इकाई–4

- ❖ भारतेन्दु–अन्धेरनगरी
- ❖ महादेवी वर्मा–सोना अथवा बिबिया

सहायक ग्रन्थः–

- हिन्दी का गद्य साहित्य–रामचन्द्रतिवारी
- निबन्धों की दुनिया–विजय देवनारायण साही, निर्मलाजैन / हरिमोहन शर्मा
- महादेवी का गद्य साहित्य–डॉ मक्खनलाल
- प्रेमचन्द और उनका युग–रामविलास शर्मा
- कहानी : नई कहानी–नामवर सिंह
- निबन्धों की दुनिया–शिव पूजन सहाय,निर्मला जैन / अनिल राय